

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	Raj express	Bhopal	02.11.2023	05	अगले माह आएगी दूसरी मेट्रो, पैसेंजर रन के पहले दो रेल और दिलीवर होंगी	Neutral

सुभाष नगर से एम्स के बीच शुरू होगा संचालन

अगले माह आएगी दूसरी मेट्रो, पैसेंजर रन के पहले दो रेल और दिलीवर होंगी

भोपाल। मेट्रो रेल की दूसरी खेप अगले महीने राजधानी पहुंच जाएगी। इसमें भी तीन कोच होंगे। मेट्रो का पैसेंजर रन शुरू करने के पहले ऐसी चार ट्रेनों की जरूरत होगी। यानी अगले साल जून-जुलाई के पहले बाकी दो रेल की भी डिलीवरी हो जाएगी। दो ट्रेन सुभाष नगर से एम्स स्टेशन के बीच दौड़ेंगी और एक-दो बैकअप के तौर पर रखी जाएंगी।

भोपाल में सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन के बीच मेट्रो के ट्रायल रन को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तीन अक्टूबर को हरी झंडी दिखाई थी। इस रूट को एम्स तक बढ़ाया जाना है। यह मार्ग करीब साढ़े किमी लंबा होगा। एम्स तक मार्ग विस्तार करने की तैयारियां चल रही हैं। इसके लिए गणेश मंदिर के पास स्टील ब्रिज बनाया जाएगा। ब्रिज रानी कमलापति स्टेशन को डीआरएम ऑफिस स्टेशन से जोड़ेगा। यह राजस्थान के अलवर में बनाया जा रहा है। इधर, रानी कमलापति से सुभाष नगर



रूट के पांच स्टेशनों का फिनिशिंग कार्य तेजी से चल रहा है। लिफ्ट, एस्केलेटर्स, सिग्नल, ऑटोमैटिक डोर, स्टेशन व ट्रेन में पैसेंजर इंफोर्मेशन सिस्टम वगैरह की भी लगातार टेस्टिंग की जा रही है।

दो रूट के लिए आएंगी 27 ट्रेन

राजधानी में मेट्रो का पहला रूट एम्स से करौंद तक है। यह 16.77 किमी लंबा होगा। दूसरा डिपो चौतरहा से रत्नागिरी तिरहा तक बनाया जाएगा। इसकी लंबाई 14.18 किमी रहेगी। दोनों रूट के लिए कुल 27 ट्रेनों की जरूरत का अनुमान मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने लगाया है। कोच के निर्माण का जिम्मा फ्रांस की अल्वस्टॉम इंडिया लिमिटेड को सौंपा गया है। कंपनी गुजरात में वड़ोदरा के पास स्थित सावली प्लांट में कोच बना रही है। यहां बता दें कि तीन कोच की पहली मेट्रो ट्रेन 18 सितंबर को भोपाल पहुंची थी।

80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी

मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों के मुताबिक ट्रेन की अधिकतम रफ्तार 80 किमी प्रति घंटा रहेगी। ट्रायल रन की शुरुआत की 10-15 किमी प्रति घंटे से की गई थी। धीरे-धीरे इसे बढ़ाया जा रहा है। न्यूनतम दो हजार किमी के ट्रायल रन के दौरान अधिकतम गति से ट्रेन को दौड़ाया जाएगा।

दो-तीन साल में होगी इंडरलेस

भोज मेट्रो को कुछ इस तरह से डिजाइन किया गया है कि दो-तीन साल बाद इसे बिना किसी इंडरलेस के चलाया जा सकेगा। अफसरों ने बताया कि हर तीन मिनट में मेट्रो ट्रेन उपलब्ध करने का टारगेट लेकर चल रहे हैं। इतना ही नहीं, जब प्रोजेक्ट पूरा हो जाएगा तो रोजाना मेट्रो में सात लाख लोग सफर कर सकेंगे।

खर्च 6941 करोड़, आधा कर्ज से जुटाएंगे

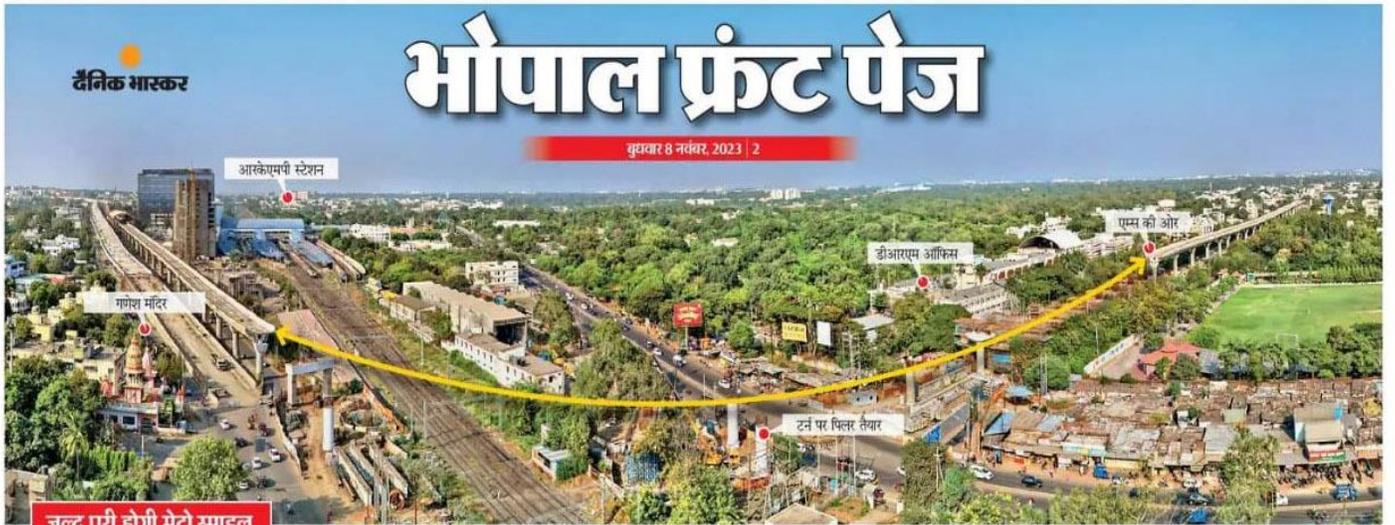
भोपाल में पहले चरण के मेट्रो रूट की कुल लंबाई 31 किमी है। इसमें दो मार्ग शामिल हैं। इन रूट पर मेट्रो दौड़ाने पर 6941 करोड़ रुपए खर्च होगा। केंद्र व राज्य सरकार इसकी 20-20 फीसदी राशि मुहैया कराएंगी। कर्ज के जरिए 50 प्रतिशत से अधिक राशि की व्यवस्था की जाएगी। राजधानी में मेट्रो के लिए यूरोपियन इन्वेस्टमेंट बैंक (ईआईबी) से लोन लिया जा रहा है। इंदौर में एशियन डेवलपमेंट बैंक ने ऋण मंजूर किया है।

08 Nov ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
02	Dainik Bhaskar	Bhopal	08.11.2023	14	गणेश मं लॉन्चिंग बाकी, अप्रैल तक शुरू होगा ऑरेंज ट्रैक	Neutral



भोपाल 08-11-2023 Pg-14



जल्द पूरी होगी मेट्रो स्माइल

गणेश मंदिर से डीआरएम ऑफिस के बीच गर्डर लॉन्चिंग बाकी, अप्रैल तक शुरू होगा ऑरेंज ट्रैक

भोपाल। सुभाष नगर स्टेशन से यानी कमलापति स्टेशन के बीच तीन कोच की भोपाल मेट्रो का ट्रैकल रन होने के बाद अब आगे की तैयारियां 50 फीसदी पूरी हो चुकी हैं। ये काम रानी कमलापति स्टेशन से डीआरएम ऑफिस स्टेशन, अल्हापुरी स्टेशन और एम्स स्टेशन के बीच किया जा रहा है। इस पूरे रूट पर ऑरेंज मेट्रो चलेगी। तलाशियों से भदभदा के बीच चलने वाली मेट्रो को ब्लू मेट्रो के नाम से जाना जाएगा।

03 कोच वाली मेट्रो जल्द चलने लगेगी

07 किमी हिस्सा बनते ही पूरा होगा ट्रेक

एम्स पर एलिवेटेड लाइनें जुड़ जाएंगी

गणेश मंदिर से डीआरएम स्टेशन के बीच रेलवे के साथ मिलकर मेट्रो कंपनी आरओबी ट्रेक बना रही है। इसका स्टील वर्क पूरा हो चुका है। स्टील गर्डर लॉन्चिंग के लिए रेलवे बोर्ड की इजाजत का इंतजार है। इसके बाद एम्स से डीआरएम स्टेशन तक आ चुकी एलिवेटेड लाइन और आल्हापुरी से गणेश मंदिर तक आ चुकी एलिवेटेड लाइन को आपस में जोड़ दिया जाएगा।

ऑरेंज रूट का काम पूरा होते ही आम लोगों के लिए अप्रैल में शुरू हो सकती है मेट्रो

एमडी मेट्रो रेल कंपनी मनीष सिंह का कहना है कि सुभाष नगर से एम्स के बीच 7 किमी लंबे ऑरेंज रूट का काम मार्च-अप्रैल तक पूरा लिया जाएगा। कस्टमर ऑपरेशन यानी आम लोगों के लिए मेट्रो का सफर अप्रैल महीने में शुरू कर दिया जाएगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
03	Rajexpress	Bhopal	09.11.2023	07	मेट्रो की शुरुआत में एक-दो महीने मिल सकता है मुफ्त सफर का मौका	Neutral



जून-जुलाई में मेट्रो के पैसंजर रन की तैयारी, जॉय राइड के जरिए जोड़ेंगे लोगों को

मेट्रो की शुरुआत में एक-दो महीने मिल सकता है मुफ्त सफर का मौका

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

राजधानी में अगले साल जून-जुलाई में मेट्रो का पैसंजर रन शुरू करने की तैयारी चल रही है। यह चालू होने पर एक-दो महीने तक मेट्रो में मुफ्त यात्रा करने का मौका मिल सकता है। इसका मकसद यह है कि जॉय राइड के जरिए अधिकांश लोगों, खास तौर से युवाओं को मेट्रो से जोड़ा जाए। इसकी अहमियत और खारियत से रूबरू कराया जाए। खुद के वाहनों की बजाय सुलभ और सस्ते पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाए।

केंद्र व राज्य सरकार से एम्स से करौद और भद्रभद्रा चौराहा से खांगिरी तिराहा तक मेट्रो रूट की अनुमति मिली है। पहले चरण में एम्स से करौद मेट्रो रूट को शामिल किया गया। यह 13.4 किमी लंबाई में जमीन से ऊपर और 3.4 किमी हिस्सा अंडरग्राउंड होगा। इस रूट पर 14 एलिवेटेड और दो अंडरग्राउंड स्टेशन का निर्माण किया जाएगा। हालांकि, चुनाव के पहले मेट्रो का ट्रायल रन शुरू करने के लिए



केवल सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक के रूट को तैयार करने पर फोकस किया गया। इसके लिए शासन की ओर से सितंबर की समय सीमा तय की गई। कुछ दिन की देरी अक्टूबर की शुरुआत में ट्रायल रन शुरू भी हो गया। इसके साथ ही मौजूदा रूट को एम्स तक बढ़ाने का कार्य चल रहा है। सुभाष नगर से

एम्स तक आम लोगों के लिए मेट्रो चलाई जाना है।

रानी कमलापति स्टेशन स्काय वॉक से जुड़ेगा: एम्स से सुभाष नगर के बीच आठ मेट्रो स्टेशन निर्माण का भूमिपूजन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नवंबर, 2021 में किया था। इसकी लागत 426 करोड़ 67 लाख रुपये है।

सभी आठ एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त होंगे। दिल्ली जैसे शहरों की तरह ऑटोमेटिक फेंयर कलेक्शन सिस्टम, फायर डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम होंगे। एम्स, अलकापुरी, डीआरएम ऑफिस, रानी कमलापति स्टेशन, डीबी सिटी, एनपी नगर जोन 1, आयकर भवन और सुभाष नगर अंडरब्रिज के पास मेट्रो स्टेशन बनाए जा रहे हैं। दो साल में यह स्टेशन बनाने का टारगेट रखा गया है। इसका जिम्मा यूआरसी कंस्ट्रक्शन कंपनी को दिया गया है। रानी कमलापति से सुभाष नगर के बीच पांच स्टेशन में से अधिकांश तैयार होने की कगार पर पहुंच चुके हैं। मेट्रो ट्रेन के स्टेशन 100 मीटर लंबे और कम से कम 14 मीटर चौड़े होंगे।

खास बात यह होगी कि रानी कमलापति रेलवे स्टेशन को मेट्रो स्टेशन के साथ स्काय वॉक के माध्यम से जोड़ा जाएगा। इस मेट्रो स्टेशन का नाम भी रानी कमलापति मेट्रो स्टेशन होगा। यहां पर मेट्रो का स्टेशन पहले रानी कमलापति परिसर में बनाया था। फिर रेलवे की आपत्ति के बाद इसे बाहर बनाने का फैसला लिया गया।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
04	नव दुनिया	भोपाल	20.11.2023	02	मेट्रो का कामर्शियल रन अगले साल	Neutral

मेट्रो का कामर्शियल रन अगले साल

भोपाल नवदुनिया प्रतिनिधि। विधानसभा चुनाव से पहले भोपाल में मेट्रो का ट्रायल रन पूरा हो गया है। अब इसके कामर्शियल रन को तैयारी है। इसके लिए प्रायोरिटी कारिडोर सुभाष नगर डिपो से एम्स अस्पताल सकेत नगर तक आवश्यक सिविल वर्क पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है, जिससे लोकसभा चुनाव से पहले मेट्रो का कामर्शियल रन भी शुरू किया जा सके। हालांकि कामर्शियल रन शुरू होने के एक महीने तक यात्रियों से किराया नहीं वसूला जाएगा। इस दौरान उन्हें जाय राइड कराई जाएगा। बता दें कि वर्तमान में एम्स से सुभाष नगर तक करीब सात किलोमीटर का मेट्रो ट्रैक तैयार हो गया है। इसमें सुभाष नगर से रानी कमलापति तक सिग्नलिंग और बिजलीकरण का काम भी किया जा चुका है। यहाँ अभी मेट्रो का सेफ्टी ट्रायल किया जा रहा है, जबकि रानीकमलापति से हबीबगंज नके के बीच रेलवे लाइन के ऊपर स्टील ब्रिज का निर्माण होना है, जो जनवरी अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। मप्र मेट्रो के अधिकारियों ने बताया कि भोपाल में पहले चरण के संचालन के लिए प्रायोरिटी कारिडोर का 90 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। इसमें तीन माह तक ट्रायल रन करने के बाद मार्च 2024 में मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त इस मार्ग की सुरक्षा को परखेंगे। उनके संतुष्ट होने के बाद प्रायोरिटी

● शुरुआती एक महीने तक निशुल्क जाय राइड कर सकेंगे यात्री



कारिडोर पर मेट्रो संचालन की अनुमति दे जाएगी।

अप्रैल में शुरू हो सकता है कामर्शियल रन: देश में मई 2024 तक लोकसभा चुनाव होने की उम्मीद जलाई जा रही है। इधर, भोपाल मेट्रो के प्रायोरिटी कारिडोर का काम भी करीब 10 प्रतिशत बचा है। इसके पूर्ण होते ही कामर्शियल रन के लिए टेस्टिंग की जाएगी। अधिकारी संभावना बता रहे हैं कि अप्रैल 2024 के आखिरी सप्ताह तक मेट्रो का संचालन शुरू हो सकता है।

पांच स्टेशन तैयार, तीन का चल रहा काम: प्रायोरिटी कारिडोर में एम्स से सुभाष नगर के बीच कुल आठ स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इनमें रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, सरगम टाकॉज, डीबी माल, केंद्रीय विद्यालय और सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन बनकर तैयार हो गए हैं, जबकि हबीबगंज नका, अलकापुरी और एम्स अस्पताल के पास मेट्रो स्टेशन का काम तीव्र गति से किया जा रहा है।

दिव्यांगों के लिए सहज होगी मेट्रो की यात्रा: भोपाल मेट्रो में

मेट्रो परियोजना

प्रोजेक्ट मंजूरी - 30 नवंबर 2018
एफओयू साइन हुआ - 19 अगस्त 2019
ज्वाइंट वैचर की पहली बैठक - 29 दिसंबर 2020
प्रायोरिटी कारिडोर में ट्रायल रन की समय सीमा - सितंबर 2023
मेट्रो प्रोजेक्ट की कुल लागत - 6,941 करोड़ रुपये
प्रायोरिटी कारिडोर - 6.2 किलोमीटर
ट्रायल रन सुभाष नगर से आरकेएमपी - तीन अक्टूबर 2023

● मप्र मेट्रो का ट्रायल रन निर्धारित समय के अनुसार किया गया है। अब हमारी कोशिश है कि प्रायोरिटी कारिडोर में कामर्शियल रन भी जल्द शुरू कर दें। इसके लिए जो भी काम बचे हैं, उसे समय सीमा में पूर्ण करने के लिए अधिकारियों और कॉन्ट्रैक्टर को निर्देशित किया गया है।

- **मनीष सिंह**, एमप्रै मप्र मेट्रो

दिव्यांगों के लिए यत्रा करना आसान होगा। यहाँ स्टेशन, लिफ्ट और टिकट काउंटर पर दिव्यांगों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा जा रहा है। यहाँ टूटिबाधितों के लिए ब्रेल लिपि का इस्तेमाल भी किया जाएगा। सौदियों के साथ दिव्यांगों के लिए अलग से साइड रेलिंग और नीचे चलने के लिए विशेष प्रकार की टाइल्स लगाई जाएगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
05	हरि भूमि	भोपाल	21.11.2023	03	डीआरएम ऑफिस से एम्स तक ट्रैक बिछाने का काम शुरू	Neutral

हरिभूमि भोपाल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, मंगलवार 21 नवंबर 2023

3

दिसंबर से खुलेगा डीआरएम ऑफिस के सामने वाला बंद रास्ता

डीआरएम ऑफिस से एम्स तक ट्रैक बिछाने का काम शुरू

हरिभूमि न्यूज | भोपाल

विधानसभा चुनाव के मतदान के बाद सुभाष नगर से एम्स तक मेट्रो रूट का काम में फिर तेजी लाई जा रही है, जिसके तहत अब डीआरएम ऑफिस से एम्स तक ट्रैक बिछाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

डीआरएम ऑफिस हबीबगंज से अलकापुरी होते हुए एम्स तक बायडक्ट का काम पूरा हो चुका है। मध्य प्रदेश मेट्रो कंपनी ने अब ट्रैक की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिससे मार्च या अप्रैल 2024 तक दोनों तरफ का ट्रैक बिछ जाने की संभावना है। अभी सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक दूसरी तरफ के बचे ट्रैक को पूरा किया जा रहा है।

बाकी काम धीमी गति से चल रहे हैं, जिनमें तेजी नई सरकार के आने के बाद आएगी

डीआरएम ऑफिस से अलकापुरी होते हुए एम्स तक बायडक्ट का काम लगभग पूर्ण



ट्रैक बिछाने से पहले बन जाएगा स्टील बिज
मेट्रो कंपनी अधिकारियों के अनुसार, एम्स तक ट्रैक बिछाने से पहले हबीबगंज रेलवे कॉरिडोर पर स्टील बिज तैयार हो जाएगा। स्टील बिज के तैयार होना ही ठीक है। जांच अलवर से स्टील बिज भोपाल पहुंचेगा।

ट्रैक, स्टील बिज के आसपास बचा बायडक्ट के ऊपर का काम पूरा हो जाएगा

अधिकारियों के अनुसार, डीआरएम ऑफिस के सामने बंद रास्ते को दिसंबर से खोल दिया जाएगा, क्योंकि ट्रैक, स्टील बिज के आसपास बचा बायडक्ट के ऊपर का काम पूरा हो जाएगा।

टिकट बुक कराने वाले यात्री होते रहे परेशान

भोपाल स्टेशन पर सर्वर डाउन होने से नहीं बन सके तत्काल के टिकट

राजधानी के भोपाल रेलवे स्टेशन पर सुबह से रेलवे का कंप्यूटराइज्ड अरेंज सिस्टम सॉफ्टवेयर को फेल होने से तत्काल टिकट बनाने पहुंचे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके चलते यहां पर तत्काल टिकट नहीं बन सका। इसके अलावा अन्य सामान्य टिकट भी करीब 12 बजे तक नहीं बन सके। इसके चलते रिजर्वेशन करने पहुंचे नैकड़ों यात्रियों को मायूस होकर वापस लौटना पड़ा।
उल्लेखनीय है कि त्यौहारी सीजन होने के चलते बड़ी संख्या में लोग टिकट बुक करने पहुंचे थे। तत्काल टिकट बुकिंग सुबह 10 बजे बनाए जाते हैं। एक आईडी और एक ही आईपी एड्रेस से अधिकतम दो टिकट ही बुक किए जा सकते हैं। जानकारों के अनुसार, भोपाल स्टेशन पर तत्काल टिकट के समय सर्वर डाउन होने से तत्काल के टिकट नहीं बन सके। इसके चलते लोगों को परेशान होना पड़ा। घंटों तक लाइन में लगने के बाद लोगों को बिना टिकट के वापस लौटना पड़ा। टिकट बुक करने पहुंचे लोगों ने बताया कि



सुबह जैसे ही तत्काल टिकट बुकिंग के समय पहुंचे। इसके कुछ देर बाद ही रेलवे अधिकारियों ने बताया कि सर्वर डाउन है, अभी टिकट नहीं बन सकेगा। इसके चलते घंटों तक टिकट बनने के इंतजार में खड़े रहे, लेकिन बिना टिकट बनने ही वापस लौटना पड़ा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
06	Times of India	Bhopal	22.11.2023	02	Bhopal Metro: RoB linking to AIIMS nears completion	Neutral

TIMES CITY

Pg-02

THE TIMES OF INDIA, BHOPAL | WEDNESDAY, NOVEMBER 22, 2023

Bhopal Metro: RoB linking to AIIMS nears completion

Jamal.Ayub@timesgroup.com

Bhopal: Nearly two months since the much-hyped priority corridor trial run of the Bhopal metro, which was seen as a major achievement for the infrastructure project leading up to state elections, the Bhopal metro rail is making strides toward completing the next big highlight of the project — the railway-over-bridge (RoB) that will connect to AIIMS Bhopal.

According to sources at the Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited (MPMRCL), steel girders and other support structures are now in place. Furthermore, with passenger travel scheduled for mid-2024, automatic fare collection systems and other related infrastructure are taking shape too.

It is expected that the girder launch of the RoB will take place in the next four weeks, with the elevated section on the side connecting to AIIMS Bhopal to be completed after the metro rail tracks are laid.

“First a temporary launching pad will be constructed and then a permanent one,” said an official. The timing of the launch is contingent on Indian Railways, as the railway line serves as the primary connection between north and southbound trains.

The connection to AIIMS Bhopal will mark the completion of the original plan for the priority corridor, spanning around 6.2 kilometers. This segment is part of Line 2

METRO TO RAISE REVENUE VIA SIGNAGES

The MPMRCL has put forward a proposal for the manufacturing, supply, installation, testing, and commissioning of signage and graphics for eight elevated stations (AIIMS to Subhash Nagar) of the orange line in the Bhopal metro rail project. Additionally, sixteen stations (Gandhi Nagar to Malviya Nagar Chauraha) of the yellow line in the Indore metro rail project, including the Bhopal and Indore metro depots, are also included in the proposal. The MPMRCL aims to generate revenue through the installation of signage.



File photo



METRO SMART CARD TO COST ₹230

The MPMRCL has called for the design, manufacture, supply, installation, testing, commissioning, and maintenance of an open-loop EMV NCMC card and QR code-based automatic fare collection (AFC) system. The AFC system will be implemented for both the Bhopal and Indore metro rail projects, with an estimated cost of Rs 230 crore. The fare for metro travel will be determined by a committee, and the introduction of the National Common Mobility Card (NCMC) is likely. The Bhopal Municipal Corporation (BMC) wholly-owned subsidiary, Bhopal City Link Limited, has already held consultations for the introduction of NCMC on city buses.



(orange line) of the Bhopal metro, and upon completion, it will extend for about 15 kilometers, linking Karond to AIIMS Bhopal.

Meanwhile, following a well-deserved break during the festive season, the MPMRCL workforce is back

on track, with Bhopal metro construction in full swing. Earlier in September, a trial run was undertaken from Subash Nagar; the metro depot to Rani Kamlapati station, with the five stations on the route receiving their finishing touches.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
07	राज एक्सप्रेस	भोपाल	23.11.2023	03	स्टील ब्रिज के हिस्से आए, रेलवे लाइन के ऊपर खड़ा करने के लिए लें	Neutral



मेट्रो: गणेश मंदिर के पास बनेगा ब्रिज, रानी कमलापति स्टेशन को डीआरएम ऑफिस स्टेशन से जोड़ेगा

स्टील ब्रिज के हिस्से आए, रेलवे लाइन के ऊपर खड़ा करने के लिए लेंगे ब्लॉक

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

राजधानी में सुभाष नगर से एम्स के बीच मेट्रो संचालन के लिए अहम स्टील रेलवे ओवरब्रिज के हिस्से आ गए हैं। अब इनको जोड़कर (असेंबल) रेलवे लाइन के साथ ही सड़क के ऊपर ब्रिज तैयार किया जाएगा। पटरी के ऊपर इस कार्य के लिए रेलवे की अनुमति से ब्लॉक लेना पड़ सकता है। सड़क पर ब्रिज खड़ा करने के लिए भी ट्रैफिक डायवर्ट किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन के बीच मेट्रो के ट्रायल रन को तीन अक्टूबर को हरी झंडी दिखाई थी। इस रूट को एम्स तक बढ़ाया जाना है। यह मार्ग करीब साढ़े सात किमी लंबा होगा। इस मार्ग पर अगले साल मई-जून में पैसेंजर रन शुरू करने का टारगेट है। मौजूदा स्थिति में सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक लगभग पांच किमी लंबा रूट तैयार है। इसे एम्स से जोड़ने के लिए स्टील ब्रिज जरूरी है। यह गणेश मंदिर के पास रेलवे लाइन के ऊपर करीब 65 मीटर लंबा स्टील ब्रिज बनाया



जाएगा। ब्रिज रानी कमलापति स्टेशन को डीआरएम ऑफिस स्टेशन से जोड़ेगा। यह बनने के बाद ही मेट्रो एम्स से सीधे जुड़ जाएगी। एम्स में रोजाना हजारों लोग राजधानी समेत प्रदेश के अन्य स्थानों से आते हैं। उनके लिए मेट्रो काफी सुविधाजनक रहेगी और ट्रेन को पर्याप्त यात्री मिल सकेंगे। मप्र मेट्रो रेल

कॉर्पोरेशन ने रेलवे से अनुमति मिलने के बाद स्टील ब्रिज का निर्माण राजस्थान के अलवर में कराया है। अधिकारियों के मुताबिक कुछ दिन पहले ब्रिज के हिस्से आ गए हैं। अब इनको असेंबल यहीं किया जाएगा। फिर रेलवे लाइन और सड़क के ऊपर ब्रिज जोड़ कर तैयार किया जाएगा।

तीन स्टेशनों का तेजी से चल रहा काम

सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक मेट्रो रूट का सिविल वर्क लगभग पूरा हो चुका है। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने सुभाष नगर से एम्स तक आठ एलिवेटेड स्टेशन निर्माण का जिम्मा यूआरसी कंस्ट्रक्शन को नवंबर, 2021 में दिया था। इस पर 426.67 करोड़ रुपए खर्च किया जा रहा है। ट्रायल रन को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने इसके पांच स्टेशन सुभाष नगर, केंद्रीय विद्यालय, बोर्ड ऑफिस चौराहा, एमपी नगर और रानी कमलापति पर फोकस किया। यह स्टेशन लगभग तैयार हो चुके हैं। फिनिशिंग वर्क चल रहा है। अब रूट के अगले स्टेशनों डीआरएम ऑफिस, अलकापुरी और एम्स का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसमें डीआरएम ऑफिस और एम्स स्टेशन पर कॉन्क्रीट का काम कुछ महीने पहले पूरा हो चुका है। मौजूदा स्थिति में सभी स्टेशन जमीन से साफ नजर आने लगे हैं।

स्टेशन-ब्रिज बनने के बाद एम्स तक ट्रायल रन

स्टील का आरओबी और तीनों स्टेशन तैयार होने के बाद मेट्रो का ट्रायल रन सुभाष नगर से एम्स के बीच शुरू होगा। खासतौर से रानी कमलापति से एम्स के बीच मेट्रो चलाकर परीक्षण किया जाएगा। कंट्रोल, ऑटोमैटिक डोर, पैसेंजर इन्फोर्मेशन सिस्टम, ऑटोमैटिक डोर, स्टेशनों पर फायर फाइटिंग सिस्टम, लिफ्ट, एस्केलेटर्स की टेस्टिंग की जाएगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
08	Free Press	Bhopal	23.11.2023	02	Two new sets of Metro Train to reach Bhopal next month	Neutral

BHOPAL

www.freepressjournal.in

INDORE / BHOPAL | THURSDAY | NOVEMBER 23, 2023

Two new sets of Metro train to reach Bhopal next month

OUR STAFF REPORTER
city.bhopal@fpj.co.in

Two new sets of Metro trains will reach Bhopal in the month of December. Already one metro train of three coaches has arrived in Bhopal and is undergoing safety-related trials. In the meantime, metro officers are working tirelessly to ensure that the metro becomes available to people of the state capital by the month of April-June.

As of now, the second railway line is being laid down for metro trains. So



far, a three km railway line has been laid down. As far as two new Metro sets are concerned then they will arrive from Savli village of Gujrat.

Alstom company is manufacturing the metro coaches. The coaches are 2.9 meters wide and 22 meters in length.

A senior officer of the

Bhopal Metro Project told Free Press "We are expecting two new sets of metro trains by December end. The sets will arrive from the manufacturing plant of Alstom company situated in Sanvli of Gujrat. The work of laying down the second line for the metro is underway and so far, a three km railway line has been laid,".

He said a team from Research Design and Standard Organisation (RDSO) will do the necessary tests. After this, the Commis-

sioner of Railway Safety will carry out the inspection of the Metro station and other things. Permission to operate Metro trains will be given after these multi-layer inspections.

Sources said the project work is delayed as labourers have gone home during Diwali.

In the meantime, the first set of Metro trains, which arrived for trial tests on October 3, is undergoing myriad kinds of tests after regular intervals of time.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
09	हरि भूमि	भोपाल	25.11.2023	05	नए साल की शुरुआत में आएंगी २ और नई ट्रेन	Neutral

हरिभूमि भोपाल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, शनिवार 25 नवंबर 2023



नए साल की शुरुआत में आएंगी और दो मेट्रो

हरिभूमि ब्यूरो भोपाल

राजधानी में मेट्रो की दो और ट्रेन नए साल के शुरू में पहुंच जाएंगी। इनको मिलाकर कुल तीन ट्रेन हो जाएंगी, जिससे सुभाष नगर से एम्स आने-जाने के लिए पब्लिक को हर दो मिनट में मिल जाएगी। जबकि राजधानी में कुल 27 मेट्रो ट्रेन आना है, जो अरिज और ब्लू लाइन पर चलना है। एम्स से करीब तक 16.74 किलोमीटर की अरिज मेट्रो लाइन है। इसमें से सुभाष नगर और एम्स के बीच काम अंतिम चरण का युद्ध स्तर पर चल रहा है। यह काम पूरा होने के बाद तीन ट्रेन पब्लिक के लिए उपलब्ध हो जाएंगी।

नए साल में मई या जून तक सुविधा मिलेगी

दो नई ट्रेन नए साल के शुरू में आने से पहले सुभाष नगर से करीब के बीच के प्रस्ताव काम का मूनिफ़िशियन भी हो जाएगा। इसमें दो किलोमीटर अपर स्टैंड हाऊस टनल, दो अंडरपास मेट्रो स्टेशन एंड्रगेज, आर्किटेक्चर फिनिशिंग समेत अन्य काम शामिल हैं।

Metro News

26.11.2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
10	Dainik Bhaskar	Bhopal	26.11.2023	03	मेट्रो: ऊपर डली हाई टें लाइन जमीन के अंदर बिछेगी	Neutral



भोपाल 26-11-2023

मेट्रो: ऊपर डली एक किमी हाईटेंशन लाइन जमीन के अंदर बिछेगी

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

मेट्रो की लाइन की जद में आ रही एक किलोमीटर लंबी ओवर हेड एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइन को अंडरग्राउंड बिछाने का काम शुरू हो गया है। 132 केवी क्षमता की यह एक किमी लाइन एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइन गोविंदपुरा से संत हिरदाराम नगर तक की ओवर हेड एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइन का हिस्सा है। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के दायरे में आने वाली यह बिजली लाइन 1008 मीटर सिंगल सर्किट लाइन है।

ट्रांसमिशन कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि 10 करोड़ रुपए की लागत से मेट्रो द्वारा यह काम कराया जा रहा है। अगले साल मार्च तक यह काम पूरा कर लिया जाएगा। करोंद इलाके में ही ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा करुण चौराहे से एटीएम तक मेट्रो के लिए 132 केवी क्षमता की एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइन जमीन के अंदर बिछाई जा रही है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
11	Patrika	Bhopal	26.11.2023	02	जीओए -4 तकनीक से खुद चलेगी मेट्रो	Neutral

जीओए- 4 तकनीक से खुद चलेगी मेट्रो

भोपाल. ओरेंज मेट्रो जीओए-4 तकनीकी आधारित है, यानि ये ड्रायवरलेस है। शुरुआत में इसे ड्रायवर के साथ जीओए-2 तकनीक से चलाया जाएगा, कुछ समय बाद पूरी तरह से ऑटोमेटेड कर दिया जाएगा। पटरियों में 750 डीसी करंट ठीक वैसे ही काम करेगा जैसे सामान्य ट्रेनें पटरियों के उपर बिजली लाइन ओएचई लाइन से पैंटोग्राफ लगाकर करंट लेती है। पटरियों से मेट्रो का इंजन करंट लेगा और दौड़ेगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
12	TIMES OF INDIA	BHOPAL	27.11.2023	02	SELFIE IN A METRO	Neutral

TIMES CITY

Pg-02

THE TIMES OF INDIA, BHOPAL | MONDAY, NOVEMBER 27, 2023



Well before its official launch, anticipation is running high among Bhopalis for the upcoming metro. At the mock-up of the Metro train, stationed at Bhopal's Smart City Park, enthusiastic 'passengers' can be observed eagerly taking selfies on Sunday

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
13	पीपुल्स समाचार	भोपाल	27.11.2023	03	मेट्रो का कमर्शियल रन अप्रैल तक, एक माह तक मिल सकती है 'जॉय राइड' की सुविधा	Neutral

पीपुल्स समाचार

भोपाल सिटी Page: 3 November 27, 2023

तीन माह तक ट्रायल रन के बाद रेल सुरक्षा आयुक्त करेंगे निरीक्षण मेट्रो का कमर्शियल रन अप्रैल तक, एक माह तक मिल सकती है 'जॉय राइड' की सुविधा

पीपुल्स संवाददाता • भोपाल
मो.नं. 9300697983

राजधानी में मेट्रो का ट्रायल रन हो चुका है। जल्द ही मेट्रो का कमर्शियल ऑपरेशन शुरू किया जाना है, ताकि आम लोग इसमें सफर कर सकें। कंपनी मई 2024 में संभावित लोकसभा चुनावों से पहले यानी अप्रैल में कमर्शियल ऑपरेशन शुरू कर सकती है। अहम बात ये है कि कमर्शियल ऑपरेशन के शुरुआती एक महीने मेट्रो आम शहरी को 'जॉय राइड' यानी मुफ्त सफर कराने की तैयारी में है।

वर्तमान में एम्स से सुभाष नगर तक करीब सात किलोमीटर का मेट्रो ट्रैक तैयार हो गया है। इसमें सुभाष नगर से रानी कमलापति तक सिग्नलिंग और विद्युतीकरण का काम भी किया जा चुका है। यहां अभी मेट्रो का सेफ्टी ट्रायल किया जा रहा है। रानी कमलापति से हबीबगंज नाके के बीच रेलवे लाइन के ऊपर स्टील ब्रिज का निर्माण होना है। यह काम जनवरी अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। इधर, मप्र मेट्रो के अधिकारियों ने बताया कि भोपाल में पहले चरण के संचालन के लिए प्रॉयोरिटी कॉरिडोर का 90



प्रतिशत काम पूरा हो गया है। तीन माह तक ट्रायल रन करने के बाद मार्च 2024 में मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त इसको परखेंगे। इसके बाद प्रॉयोरिटी कॉरिडोर पर मेट्रो संचालन की अनुमति दी जाएगी।
क्यों मिलेगी जॉय राइड की सुविधा: दरअसल, देश के जिन भी शहरों में मेट्रो की शुरुआत की गई, वहां शुरुआती 15, 20 और 30 दिन तक मेट्रो को आम शहरी के लिए मुफ्त चलाया गया। इसे 'जॉय राइड' का नाम दिया गया है। हालांकि भोपाल मेट्रो कितने दिन की 'जॉय राइड' कराएगी,

वे कमर्शियल ऑपरेशन पर ही पता लगेगा। हालांकि सूत्रों की मानें तो इसे एक महीने रखा जा सकता है।
अप्रैल में शुरू हो सकता है कमर्शियल रन: मई 2024 तक लोकसभा चुनाव होने की उम्मीद है। इधर, भोपाल मेट्रो के प्रॉयोरिटी कॉरिडोर का काम भी करीब 10 फीसदी बचा है। इसके पूरा होते ही कमर्शियल रन के लिए टेस्टिंग की जाएगी। अधिकारी संभावना जता रहे हैं कि अप्रैल 2024 के आखिरी सप्ताह तक मेट्रो का संचालन शुरू हो जाएगा।

पांच स्टेशन बनकर तैयार, तीन का अभी चल रहा काम
प्रॉयोरिटी कॉरिडोर में एम्स से सुभाष नगर के बीच कुल आठ स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इनमें रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, सरगम टॉकीज, डीबी माल, केंद्रीय विद्यालय और सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन बनकर तैयार हो गए हैं। हबीबगंज नाका, अल्कापुरी और एम्स के पास मेट्रो स्टेशन का काम तेज रफ्तार से चल रहा है।

दिव्यांगों के लिए आसान होगी मेट्रो की यात्रा, लिफ्ट भी रहेगी
मेट्रो में दिव्यांगों के लिए यात्रा आसान होगी। यहां स्टेशन, लिफ्ट और टिकट काउंटर पर उनकी सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। यहां ब्रेल लिपि का इस्तेमाल भी किया जाएगा। सीढ़ियों के साथ अलग से साइड रेलिंग और नीचे चलने के लिए विशेष प्रकार की टाइल्स लगाई जाएंगी।

मेट्रो का ट्रायल रन तय डेडलाइन में किया जा चुका है। अब हमारी कोशिश है कि मेट्रो कमर्शियल ऑपरेशन भी जल्द शुरू किया जाए। इसके लिए बचे हुए कार्यों को जल्द से जल्द पूरा किया जा रहा है। - मनीष सिंह, एमडी, मप्र मेट्रो

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
14	हरि भूमि	भोपाल	29.11.2023	03	मेट्रो का रानी कमलापति स्टेशन से एम्स तक के कॉरिडोर का काम भी अब 24 घं	Positive



सुभाष नगर से आरकेएमपी तक भी चला था चौबीस घंटे काम मेट्रो का रानी कमलापति स्टेशन से एम्स तक के कॉरिडोर का काम भी अब 24 घंटे चलेगा

■ हबीबगंज रेलवे क्रॉसिंग पर स्टील ब्रिज कई हिस्सों में आया, जिसको भोपाल में ही जोड़ा जाएगा

हरिभूमि न्यूज || भोपाल

मेट्रो का रानी कमलापति से एम्स तक के कॉरिडोर का काम अब चौबीस घंटे चलेगा।

सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक के काम में तेजी लाने के लिए भी कंपनी ने चौबीस घंटे काम करवाया था। इसी तर्ज पर आगे का

काम किया जा रहा है, जिससे नए वर्ष में मई-जून तक मेट्रो संचालन शुरू हो सके। वहीं हबीबगंज क्रॉसिंग पर लगने वाला स्टील ब्रिज को कई हिस्सों में लाया जा रहा है, जिसे भोपाल में जोड़कर क्रॉसिंग के ऊपर पिलर पर रखा जाएगा। रानी कमलापति से सुभाष नगर डिपो तक ट्रैक के बचे काम को भी पूरा किया जा रहा है। साथ में एम्स तक बायडक्ट काम पूरा होने के बाद ट्रैक विछाने भी टेंडर प्रक्रिया हो चुकी है। इसलिए अब एम्स तक के काम को अब लगातार चौबीस घंटे किया जा रहा है।

स्टील ब्रिज के पार्ट्स आना हुए शुरू

मेट्रो के लिए हबीबगंज रेलवे क्रॉसिंग पर बन रहे स्टील ब्रिज का काम भी शुरू हो गया है। इसके पिलर बन गए हैं। जबकि राजस्थान अवर से ब्रिज को अलग-अलग पार्ट्स के रूप में लाया जा रहा है। इसके कई हिस्से आ चुके हैं। शेष पार्ट्स भी अगले माह तक आ जाएंगे। इससे उम्मीद है कि नए साल के शुरू में ब्रिज आकार लेने लगेगा।